उत्तर प्रदेश के जिला चन्दौली के विकास खण्ड चकिया के 12 ग्राम पंचायतों के 14 राजस्व गांवों में किये गये आधारभूत सर्वेक्षण का एक विष्लेषणात्मक रिर्पोट

सहयोग,

ग्रामीण विकास संस्थान, गाजीपुर

द्वारा

रूरल आर्गनाइजेशन फार सोसल एडवांसमेंन्ट

“ROSA” – ककरमत्ता, वाराणसी

पृष्ठभूमि

संस्था के बारे में:–

रूरल आर्गनाइजेशन फार सोसल एडवांसमेंट, जिसे रोजा संस्थान के नाम से जाना जाता है। यह एक सामाजिक उन्नति के लिये कार्य करने वाली सामाजिक संस्था जो उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के जिला गाजीपुर, चन्दौली, आजमगढ़ व बलरामपुर के ग्रामीण परिवेश में कार्य कर रही है। संस्था का मुख्य लक्ष्य समुदाय का वह वर्ग है जो वर्षो से विभिन्न समाज व जातियों में बटा हुआ है, जो समाज के वंचित तबको का है चाहे व किसी भी धर्म व जाति का हो जिसमें बच्चे, महिलायें, मजदूर, प्रमुख रूप से शामिल है। जो अपने स्तर से अपनी आजीविका व मूलभूत आवष्यकताओं के लिये प्रयास कर रहा है लेकिन वर्तमान सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों के कारण उसका सम्मानपूर्ण विकास नही हो पाया है।

समाज सेवा से वर्षो से जुड़े सामाजिक विचारधारा के सदस्यों ने रोजा संस्थान की बुनियाद सन् 2002 में डाली। यह संस्था सन् 2003 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन की धारा 21, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत हुई।

एरिया प्रोफाईलः–

नीति आयोग की सूची में आकाक्षी जिला चन्दौली, उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में से एक है। यह वाराणसी मंडल का एक जिला है। इस जिलों की सीमाये बिहार से लगती है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के जिला सोनभद्र, जिला मिर्जापुर, जिला वाराणसी व जिला गाजीपुर की भी सीमाये लगती है। इस जिले में कुल 9 विकास खण्ड बढ़नी, चहनिया, चकिया, चन्दौली, धानापुर, नौगढ़, नियमताबाद, सकलडीहा और शहाबगंज स्थ्ति है। विकास खण्ड चकियां मैदानी और पहाड़ी दोनो क्षेत्र स्थिति है। इसमें नौगढ ब्लाक पूरी तरह से पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। गंगा, कर्मनाषा व चन्द्रप्रभा आदि इस जिले की प्रमुख नदिया है जो इस क्षेत्र से होकर बहती है और जिले की सीमाओं को निर्धारित करती है। इस जिले में कुल पांच तहसील है जो वर्तमान में कार्यरत है। जिसमें नौगढ़, मुगलसराय, चन्दौली, शकलडीहा और चकिया है। इस जिले का 2001 के जनगणना के अनुसार साक्षरता दर 59.7 प्रतिशत था। इस जिले में कुल 1651 राजस्व ग्राम है। जिसमें 219 गैर आबाद गांव है। जिला चन्दौली 2485 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। इस जिले की कुल जन्संख्या 2011 जनगणना के आधार पर 2416617 है। चन्दौली में इस जिले का मुख्यालय स्थित है। यह क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है पहाड़ी के पास होने के नाते इस क्षेत्र में वर्षा जल का पूरा फायदा मिलता है। विभिन्न कैनाल के माध्यम से इस क्षेत्र में सिचाई की जाती है।

जिला चन्दौली के विकास खण्ड चकिया के कुल 75 ग्राम पंचायतों के 12 ग्राम पंचायतों का सर्वे किया गया जिसमें कुल 14 राजस्व गांव स्थित है। इन गांवो में रहने वाले दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़ी वर्ग के परिवारों को सर्वे में लिया गया। कुल 1289 परिवारों का बेसलाइन सर्वे किया गया। यह क्षेत्र जिला मिर्जापुर के सीमा से लगा हुआ है। इस क्षेत्र से जिला मुख्यालय लगभग 30 किमी की दूरी पर स्थित है। ब्लाक मुख्यालय चकिया इस क्षेत्र से 05 किमी की दूरी पर स्थित है। सर्वे किये गये क्षेत्र के बीचो बीच शिकन्दरपुर एक

स्थानीय बाजार स्थिति है। इस क्षेत्र से होकर एक लिंक रोड निकलती है जो टेंगरामोड़ और चकिया से होकर चन्दौली और मुगलसराय के लिये जाती है। स्थानीय लोगों के लिये यातायात का एक मात्र साधन जीप व बस है। इस रोड पर केवल प्राइवेट आटो आदि दिन के समय चलती है।

District	Block	Sl. No	Gram Panchayat	Sl. No.	Village Name	HH	Social category			
							GN	OBC	SC	ST
Chandauli	Chakia	1	Baraujhi	1	Baraunjhi	94	1	27	66	0
Chandauli	Chakia		Baraujhi	2	Bhasmia	23	0	4	19	0
Chandauli	Chakia	2	Bhatwara Kala	3	Bhatwara kala	37	0	8	23	6
Chandauli	Chakia	3	Bhatwara khurda	4	Bhatwara khurda	62	0	8	54	0
Chandauli	Chakia	4	Bhishampur	5	Bhishampur	317	38	178	90	11
Chandauli	Chakia	5	Bikapur	6	Bikapur	65	0	35	30	0
Chandauli	Chakia	6	Garhwa	7	Garhwa	46	0	6	40	0
Chandauli	Chakia	7	Gogahara	8	Gogahara	20	0	18	2	0
Chandauli	Chakia	8	Pathrawa	9	Pathrawa	23	0	0	23	0
Chandauli	Chakia	9	Pathrawa	10	Pathrawa balua	16	0	3	13	0
Chandauli	Chakia		Pathrawa	11	Pathrawa bhalua bilaudi	23	0	9	14	0
Chandauli	Chakia	10	Rampur Chamarhi	12	Rampur Chamarhi	81	0	22	59	0
Chandauli	Chakia	11	Shikandarpur	13	Sikandarpur	388	31	298	59	0
Chandauli	Chakia	12	Vijay Purva	14	Vijay Purva	94	14	75	5	0
					Total	**1289**	**84**	**691**	**497**	**17**

<u>बेस लाइन की विधियांः—</u>

ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से रोसा संस्थान द्वारा उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिला चन्दौली के विकास खण्ड चकिया के द्वितीयक डाटा का अध्ययन कर क्षेत्र के 12 ग्राम पंचायतों के 14 गांवो का चयन कर गावों में विजिट करके वहा रहने वाले लोगों ग्राम प्रधान आदि से सम्पर्क कर द्वितीयक डाटा के जानकारी से मिलान किया गया और अंतिम रूप से चयन किया गया। फिर दलित, पिछड़ी और अल्पसंख्यक समुदाय के कुल 1289 परिवारों का अगस्त सितम्बर 2023 में फार्मेट पर डाटा एकत्र किया किया गया। डाटा को रैंडम आधार पर चेक किया गया और एक्शल सीट में डाटा फीड किया गया। उपलब्ध आकड़ों के आधार पर विष्लेषण करके रिर्पोट तैयार की गयी।

जिसका एक विष्लेषणात्मक रिर्पोट इस प्रकार से है।

1. <u>सामाजिक आधार पर स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 1289 परिवार मिले। जिसमें सामान्य वर्ग के 84, पिछड़ी वर्ग के 691, अनुसूचित जाति से 497 और अनुसूचित जनजाति से 17 परिवार मिलें है। इसमे 428 मुस्लिम समुदाय से है। पाई चार्ट के आधार पर सामाजिक स्तर इस प्रकार है–

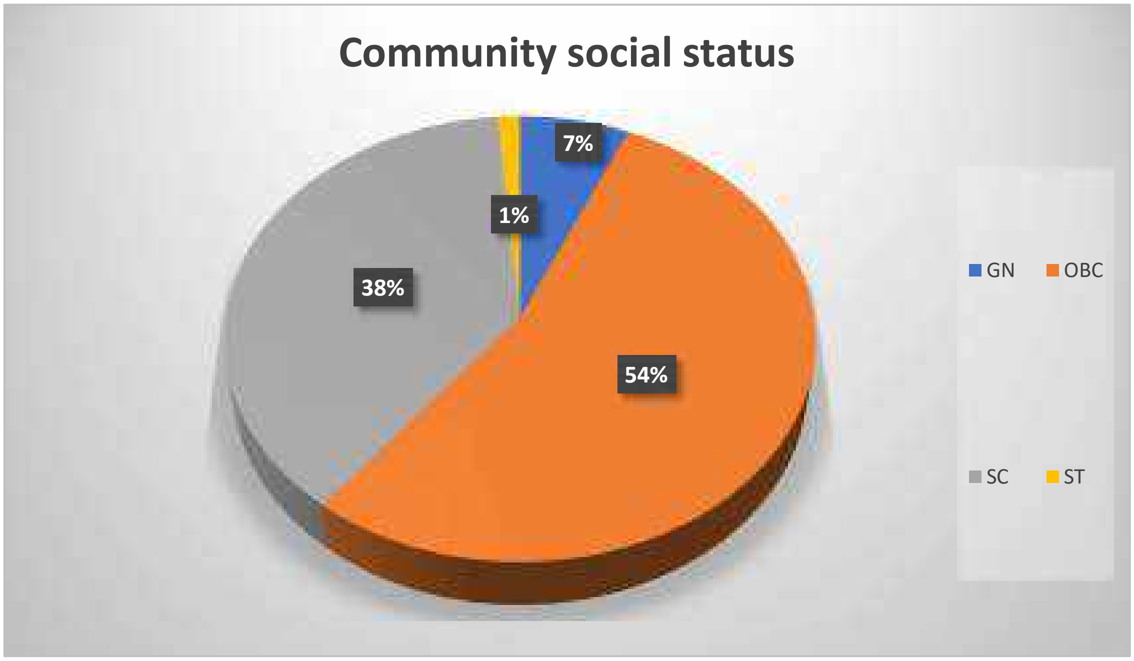

2. <u>धार्मिक आधार पर स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 1289 परिवारों के आधार पर 861 हिन्दू व 428 मुस्लिम समुदाय के परिवार निवास करते है। पाई चार्ट के आधार पर धार्मिक स्तर इस प्रकार है–

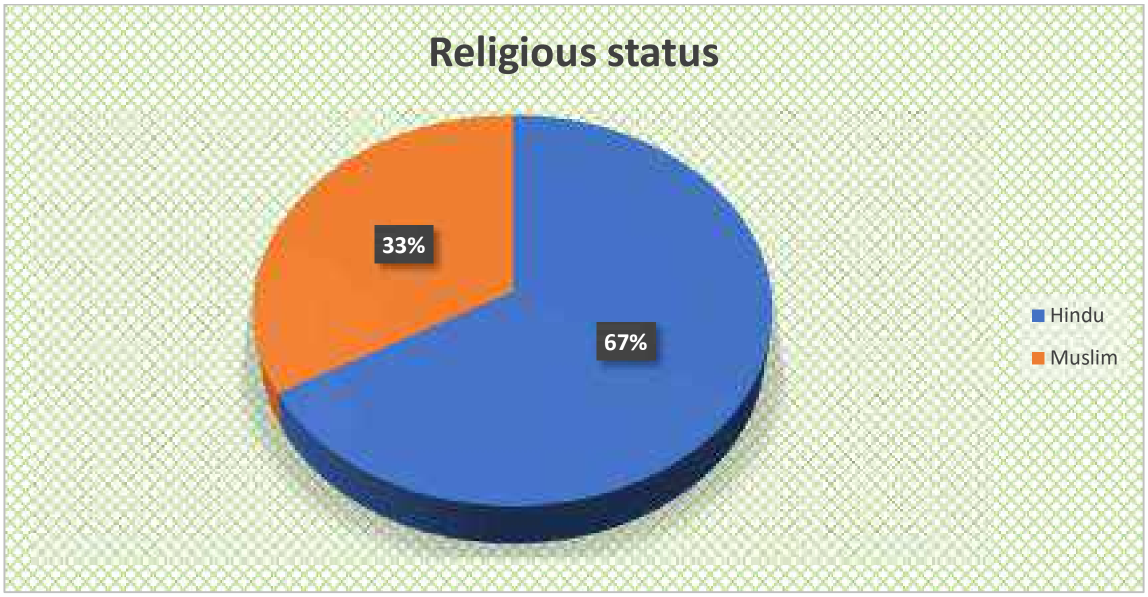

3. <u>लैगिंक आधार पर बच्चो की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 1289 परिवारों में से कुल 2423 बच्चे है। जिमसें 1622 लड़कियां और 801 लड़के है। पाई चार्ट के आधार पर बच्चो की स्तर इस प्रकार है–

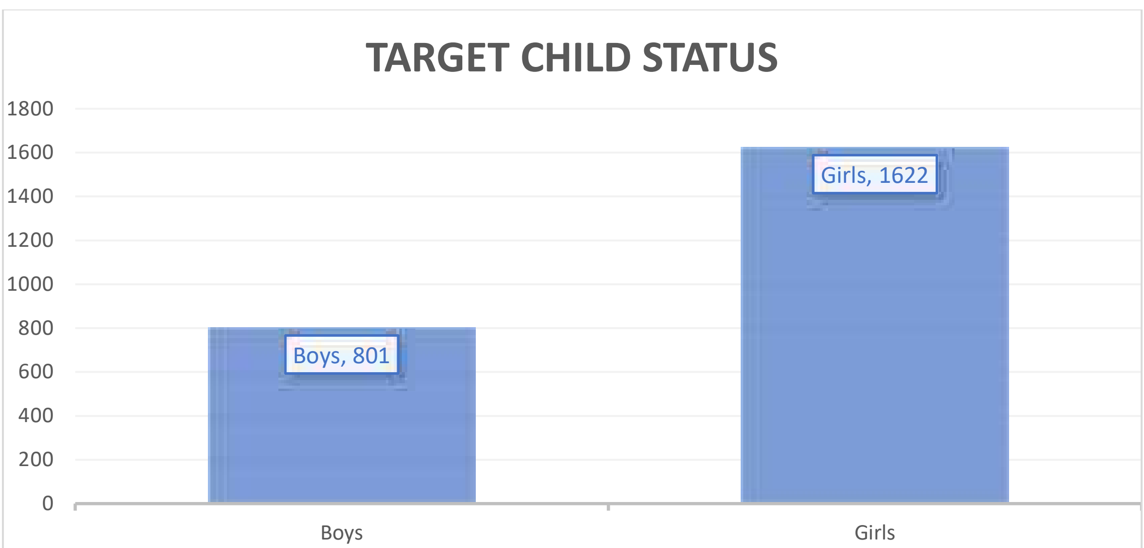

4. स्कूल ड्राप आउट की स्थिति–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 1289 परिवारों में से कुल 2423 बच्चे है। जिमसें 1622 बालिका और 801 बालक है। कुल 1622 बालिकाओं में से 195 बालिकायें स्कूल ड्राप आउट है जबकि 801 लड़कों में से कुल 95 बालक ड्राप आउट पायें गये है। इस आधार पर हम कह सकते है कि 12 प्रतिशत बालिकायें स्कूल ड्राप आउट है और 12 प्रतिशत बालक भी स्कूल ड्राप आउट है। पाई चार्ट के आधार पर हम कुल स्कूल ड्राप आउट बालक और बालिकाओं का प्रतिशत इस प्रकार से है।

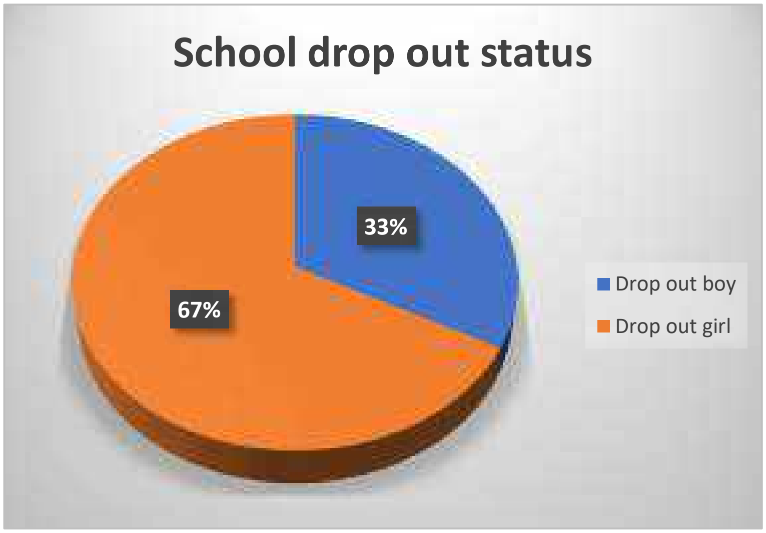

5. कक्षावार स्कूल ड्राप आउट की स्थिति–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 290 बालक और बालिकायें स्कूल ड्राप आउट है। अगर हम इसे कक्षावार देखतें है तो पाते है कि स्कूल जाने के प्रारम्भिक दौर में, प्राथमिक शिक्षा पूरी करने, उच्च प्राथमिक शिक्षा पूरी करने पर सबसे अधिक स्कूल ड्राप आउट के केस है। इस आधार पर हम पाते है कि जैसे जैसे कक्षा और स्कूल में बदलाव हो रहा है वैसे वैसे बच्चे स्कूल से ड्राप आउट हो रहे है।

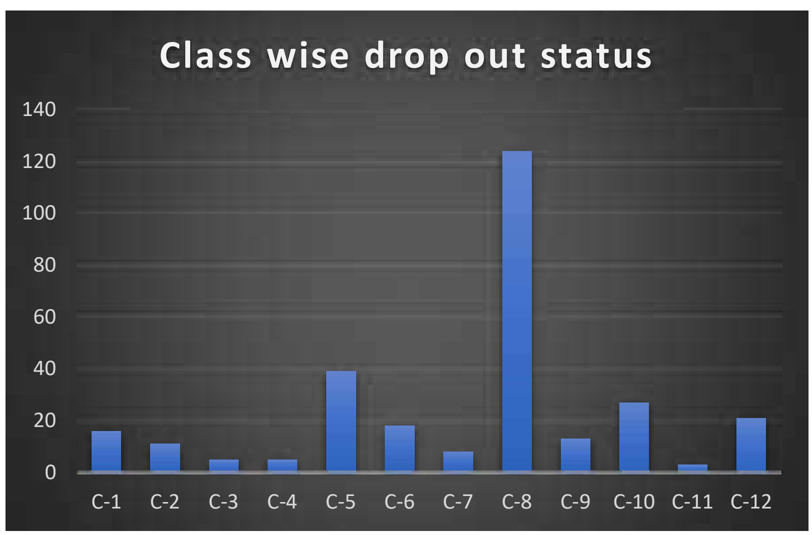

6. स्कूल ड्राप आउट के कारणों की स्थिति–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर 290 बालक और बालिकाओं के स्कूल छोड़ने के कारणों को जाना गया। जिसमें 147 परिवारों के मुखिया ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारणों से स्कूल छोड़ना पड़ा। जबकि 76 परिवारों ने बच्चो में शिक्षा के प्रति रूचि का न होना बताया। 24 परिवारों ने स्वास्थ्य खराब होने के कारणों को बताया। पाई चार्ट के आधार पर हम पाते है कि 11 कारणों में सबसे बड़ा कारण परिवार की आर्थिक स्थितियों जिम्मेदार है। लेकिन हम यह भी देखते है कि 226 बच्चे कक्षा 8 तक ही शिक्षा के दौरान स्कूल छोड़ दिये जबकि शिक्षा विभाग कक्षा 8 तक के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करती है। फिर भी परिवार के मुखिया आर्थिक कारणों को जिम्मेदार बता रहे है।

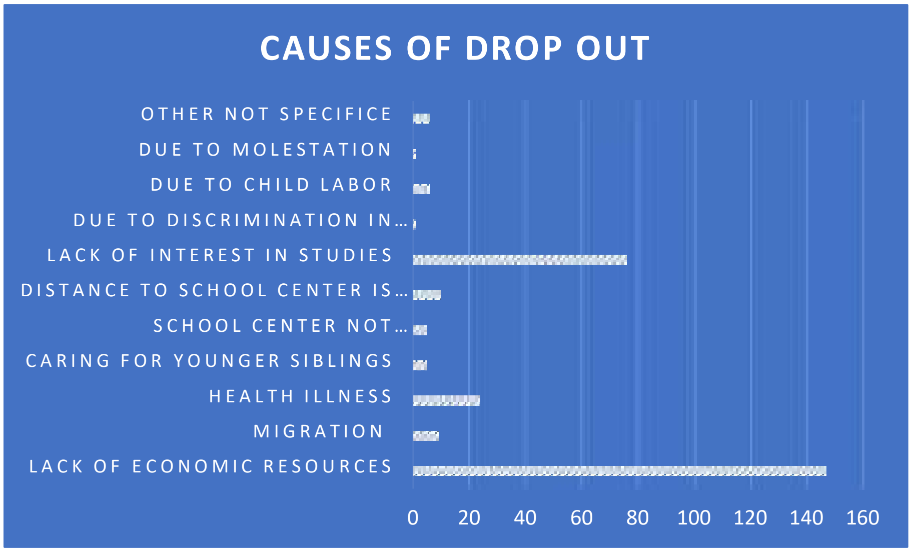

7. आयु के आधार पर स्कूल ड्राप आउट की स्थिति–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर 290 बालक और बालिकाओं जो स्कूल छोड चुके है उनके आयु के आधार पर ड्राप आउट होने की स्थिति को पिरामिड चार्ट के आधार पर देख सकते है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जैसे जैसे आयु बढती गयी वैसे वैसे स्कूल से

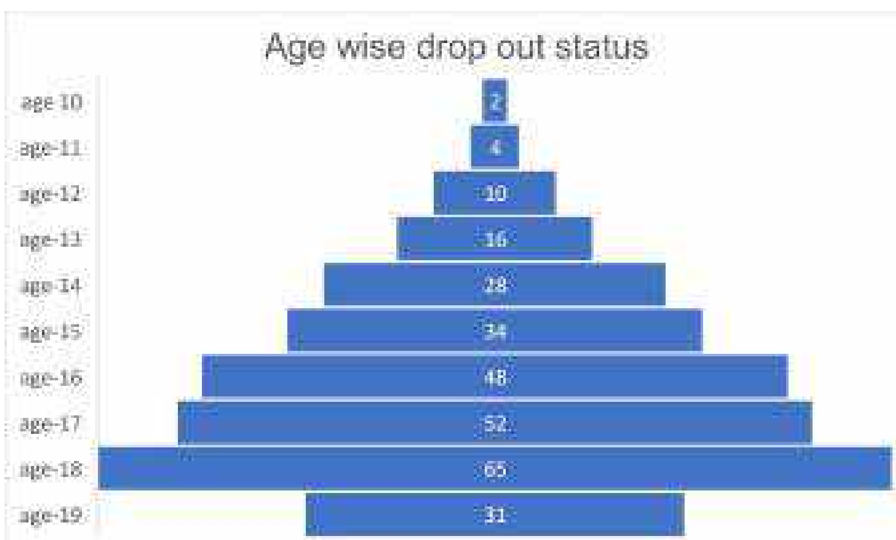

छोड़ने वाले बच्चो की संख्या में वृद्दि होती गयी। इस आधार पर हम पाते है कि इस क्षेत्र में जैसे जैसे कक्षा में वृद्दि होता है और आयु बढ़ती वैसे वैसे बच्चे स्कूल छोड़ रहे है। जिसमें सबसे बड़ा कारण आर्थिक स्थिति कमजोर होने और बच्चो के शिक्षा के प्रति रूचि का न होना व स्कूल की घर व गांव से दूरी का होना भी है। विशेषतौर पर बालिकाओं का स्कूल छोड़ना।

8. <u>सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर स्कूल ड्राप आउट की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर 290 बालक और

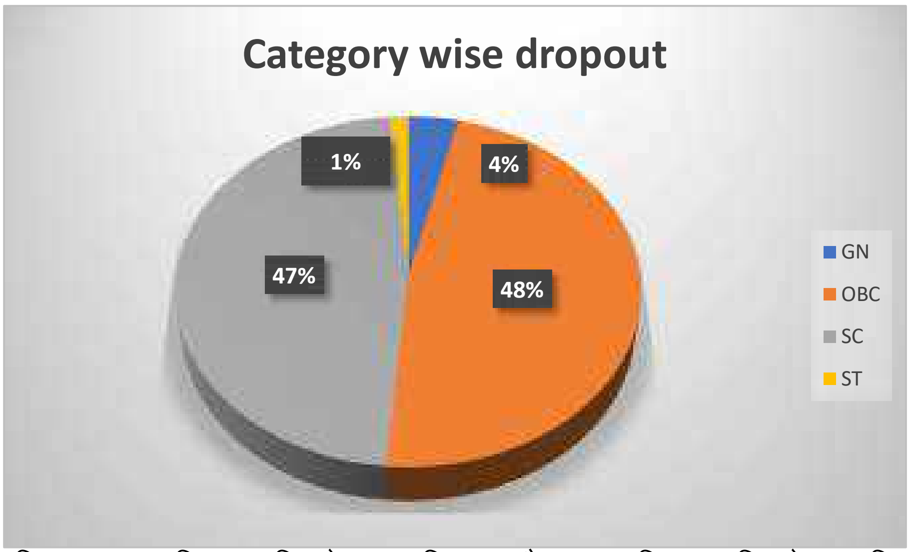

बालिकाओं जो स्कूल छोड चुके है उनके सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर स्थिति का विश्लेषण करते है तो पाते है कि सामान्य वर्ग में 4 प्रतिशत, पिछड़ी जाति के 48 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के 47 प्रतिशत और अनुसूचित जाति के 1 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर है। डाटा का विश्लेषण करने पर पाते है कि अनुसूचित जाति और पिछड़ी जाति दोनो वर्ग के बच्चे समान रूप स्कूल छोड़ रहे है। इस आधार पर हम कह सकते है कि दोनो समुदाय का शिक्षा के प्रति एक ही स्तर है।

9. <u>सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर स्कूल ड्राप आउट की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 51 बच्चे ऐसे

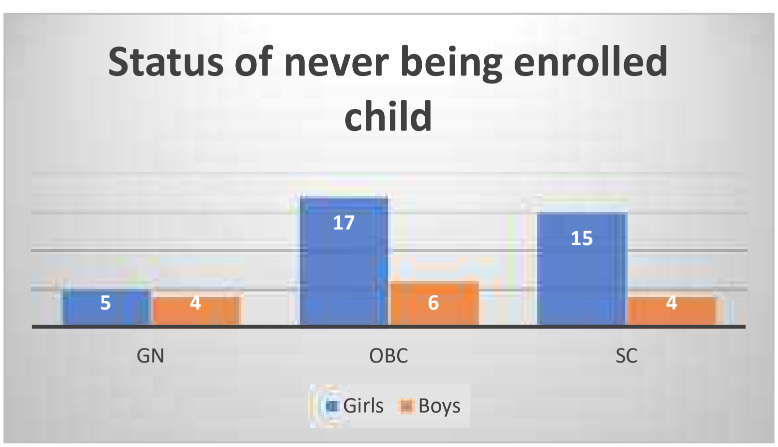

पाये गये जिन्होने कभी स्कूल में नामांकन नही पाया। इसमें 37 बालिकायें और 14 बालक है। सबसे अधिक संख्या पिछड़ी और अनुसूचित वर्ग से है। चार्ट के आधार पर हम कह सकते है कि समुदाय कोई भी हो हर समुदाय में बालिकाओं की स्थिति बालकों के आधार पर कमजोर है चाहे वे नामांकन न होने की बात हो या फिर ड्राप आउट की बात हो।

10. <u>सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर उच्च शिक्षा की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 99 बच्चे ऐसे पाये गये जो 12वीं के बाद उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे है। इसमें 83 बालिकायें और 16 बालक है। चार्ट के आधार पर हम सामाजिक वर्गों के आधार पर देखे तो पाते है कि संख्या के आधार पर सभी सामाजिक वर्गो में बालिकाओं की संख्या अधिक है। इसका एक कारण यह भी है कि इस क्षेत्र के अधिकांश बालक पलायन कर अन्य क्षेत्रों में निवास कर रहे है। जहां पर वे परिवार की आजीविका में सहयोगी है।

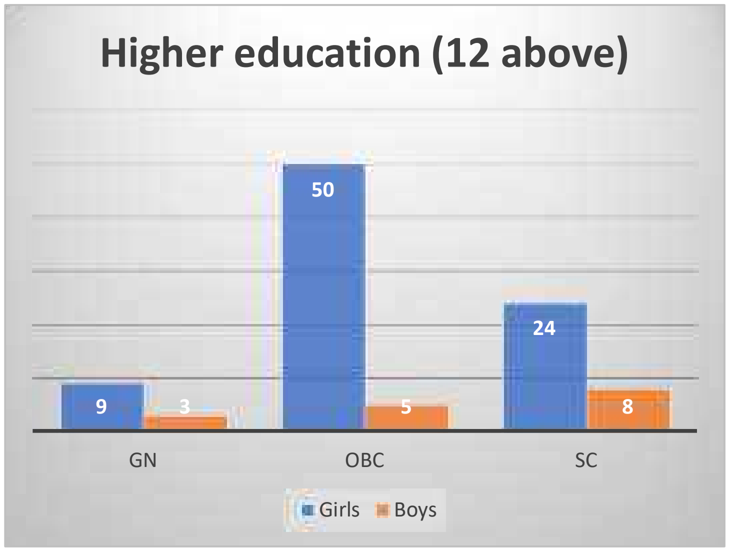

11. <u>सामाजिक वर्गीकरण के आधार पर निरन्तर शिक्षा की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 2201 बच्चे ऐसे पाये गये शिक्षा जारी है और वे अपनी आगे की शिक्षा को जारी रखना चाहते है। इसमें से 1473 बालिकायें ओर 728 बालक है। सामाजिक स्थिति के आधार पर पाते है कि संख्या बल में बालिकाये सभी सामाजिक वर्गो में अधिक है और उनमे शिक्षा को जारी रखने के प्रति अधिक रूचि भी है। जितनी अधिक रूचि है उतनी अधिक बाधायें भी है।

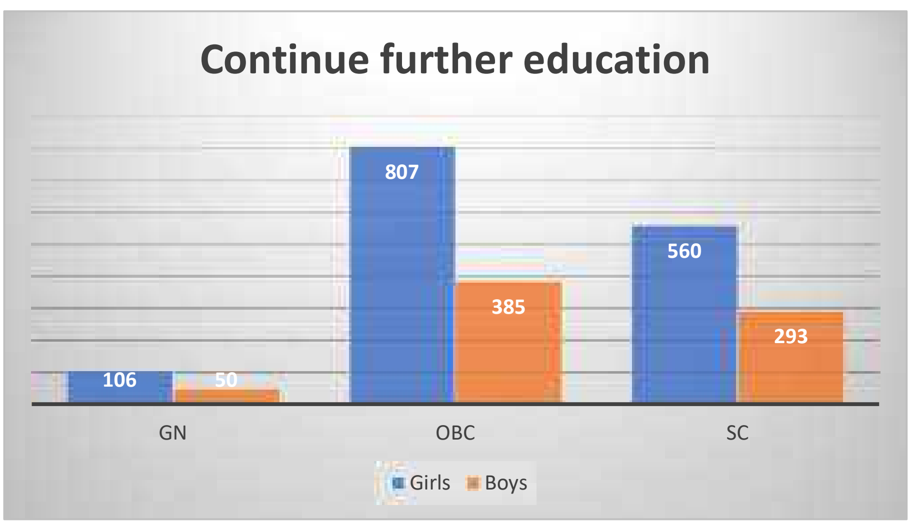

12. <u>बालिकाओ के जीवन के सपनो की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 1473 उन बालिकाओ के भी अपेक्षा/सपनो को जाना गया। चार्ट के आधार पर हम पाते है कि सबसे अधिक 637 बालिकाअे का सपना है कि वे शिक्षा के क्षेत्र में जायें और एक योग्य टीचर बने। इसी प्रकार से दूसरे नम्बर पर डाक्टर व तीसरे नम्बर पर पुलिस बनने की अपेक्षायें है। इनमें से 205 बालिकायें ऐसे भी है जिनका कोई सपना नही है और वे नाकारात्मक प्रभाव में है। सूची के आधार पर कुल 23 ऐसी कटेगरी है जिसमें बालिकाओं ने जबाब दिया है। हम समझते है कि बड़े सपनो को साकार करना एक बड़ी चुनौती है फिर भी सपनो का`पाने के लिये सही दिशा में प्रयास करना भी जरूरी है जिसकी कमी उनके शिक्षा के चुनाव में देखने को मिलता है।

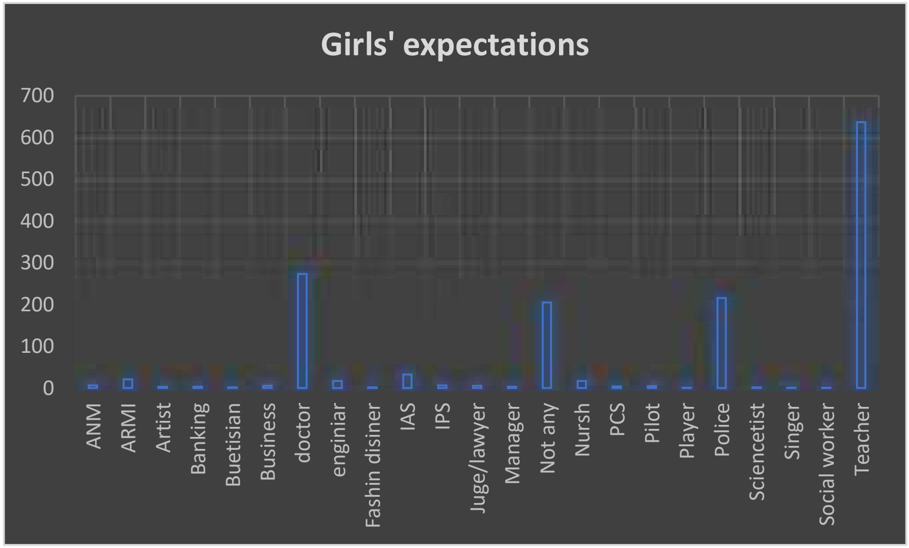

13. <u>आगे की शिक्षा निरन्तर में बाधा की स्थिति–</u>

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर कुल 100 उन बालिकाओ के भी अपेक्षा/सपनो को जाना गया। जिन्होने ये कह कि वे आगे की शिक्षा जारी नही रखना चाहती। उनसे यह जाना गया कि वे भविष्य में क्या बनना चाहती है तो उनमें से 1 ने पुलिस बनने और 1 ने टीचर बनने की इच्छा जतायी। चार्ट के आधार पर हम स्थिति को समझ सकते है।

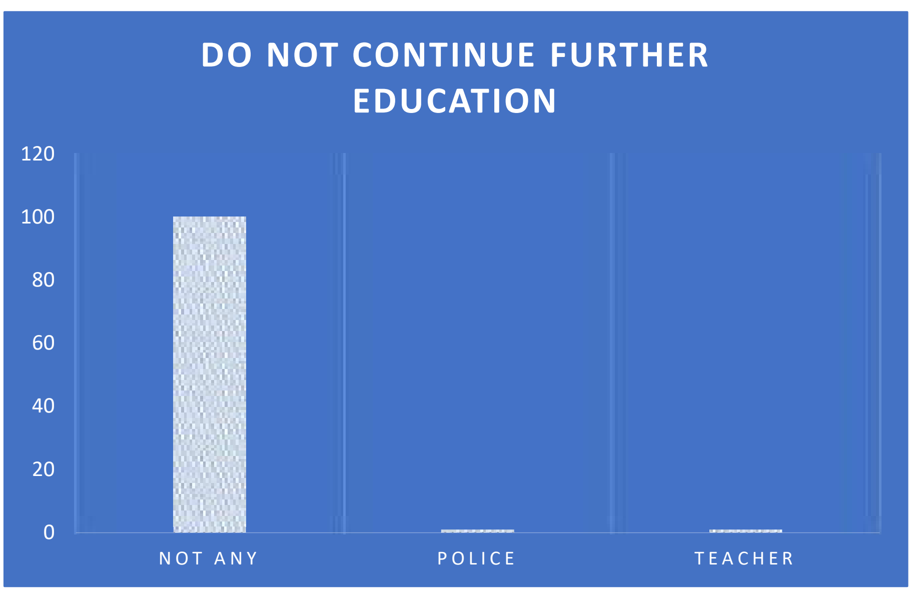

इस आधार पर हम पाते है कि क्षेत्र में कैरियर को लेकर समझ का अभाव है। खासतौर पर बालिकाओं में सामाजिक बंधनो और परिवार के द्वारा सहयोग न मिलने पर उनमें निराशा का भाव अधिक है।

14. रोजा/परियोजना के साथ जुड़ने/भागीदारी पर की सहमति की स्थिति–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर परिवारों से परियोजना के साथ जुड़ने, गतिविधियों मे भागीदारी करने और बालिकाओं के उन्नति में एक स्वसेवक/लीडर के रूप में पहल करने के सवाल पर कुल 2413 परिवारों में से

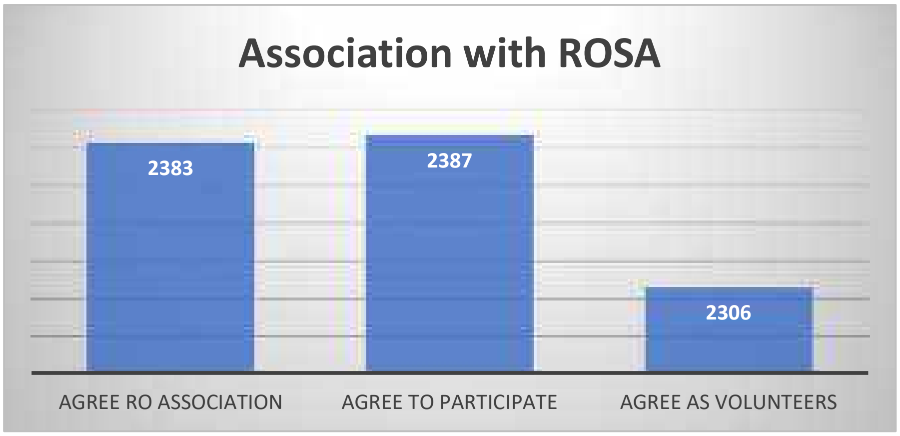

अधिकार परिवारों ने सहमति प्रदान किया। चार्ट के आधार पर पर स्थितियां इस प्रकार से है। इस आधार पर हम पाते है कि बालिकाओं की इच्छा आगे बढ़ने की है यह एक साकारात्मक सकेत है।

15. बाल विवाह की स्थिति–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा के आधार पर एक भी परिवारों में बाल विवाह के डाटा प्राप्त नही हुआ है। इस पर पुनः परियोजना के कार्य के दौरान डाटा को चेक करने की जरूरत है।

निष्कर्ष/सुझावः–

परियोजना क्षेत्र के गावों में बेस लाइन सर्वे से प्राप्त डाटा और विष्लेषण के आधार पर हम निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुचते है–

1. इस क्षेत्र में बाल विवाह की समस्या नही पायी गयी है इस लिये परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान बाल विवाह के मुददे पर कार्य करने की जरूरत नही है।
2. परियोजना क्षेत्र में एक सामाजिक वर्गों का मिश्रण है और सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व इस परियोजना में है।
3. परियोजना क्षेत्र में अन्पसंख्यक समुदाय की पर्याप्त संख्या है।
4. परियोजना क्षेत्र ग्रामीण भौगोलिक परिवेश है और गांवों के बीच की दूरी औषत है। गांव रोड से लगे है और पहुच में है।

5. डाटा कलेक्शन में बालको के डाटा कम है इससे यह प्रतीत हो रहा है बालको का डाटा सभी मानको के आधार पर संग्रह नही किया गया है।
6. परियोजना क्षेत्र में बालिकाओं की जीवन कैरियर की अपेक्षाये बड़ी है और उनको मार्गदर्शन की जरूरत है।
7. जो बालिकायें कक्षा 8, कक्षा 10, कक्षा 12 में अध्ययनरत है उन्हे उनके सपनो और उनके आगे के शिक्षा के विषय निर्धारण के लिये मार्गदर्शन की जरूरत है।
8. जो बालिकायें ड्राप आउट है उनका पुनः नामांकन और फालोअप की जरूरत है।
9. जो बालिकाये आगे की शिक्षा जारी रखने से मना की है उनके घरेलू और रूचि के परिस्थितियों का अध्ययन करने की जरूरत है। प्राप्त डाटा के आधार पर आगे की प्रक्रिया करनी होगी।
10. जिन बालिकाओं ने अपने भावी सपनो को बताया है उनके पूर्व की शिक्षा, वर्तमान की शिक्षा के आधार पर भावी सपनो का पुर्नगठित करने की जरूरत होगी।
11. ड्राप आउट के कारणों में जिन परिवारों से बच्चो में शिक्षा के प्रति रूचि की बात आयी है उन बच्चो की काउन्सिलिंग करने की जरूरत होगी।
12. जिन परिवारों ने आर्थिक स्थितियों को शिक्षा में बाधा बताया है उनके परिवार की आर्थिक परिस्थियों और शिक्षा के सरकारी सहयोग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन कर परिवार के मुख्य सदस्यों को परामर्श देने की जरूरत है।
13. बच्चो को स्कालरशीप, अटल आवासीय योजना और सरकार की ओर से संचालित विभिन्न विकल्पों के बारें में जानकारी प्रदान करने की जरूरत होगी।
14. उच्च शिक्षा के लिये अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल और बैंग्लोर तथा इस प्रकार की अन्य विकल्पो के बारें में समय से बच्चो और अभिभवको को जानकारी देने की जरूरत है।
15. स्थानीय स्तर पर पुरूषो को बालिका शिक्षा के योगदान पर संवेदनशील करने की जरूरत होगी।

द्वारा– रोजा संस्थान, ककरमत्ता, वाराणसी।

दिसम्बर 2023

Sl. No.	Village Name	HH	Social cotegary				religion		Male/female		Drop out status			School going status				12th pass girls	Married	Association with ROSA	agree to participate	Volunteers
			GN	OBC	SC	ST	Hindu	Muslim	Boys	Girls	Drop out	D boys	D grils	Gov school	Prv school	Never enrolled	School left child	BA/G				
1	Baraunjhi	94	1	27	66	0	93	1	56	112	15	6	9	83	65	2	3	5	0	168	168	166
2	Bhasmia	23	0	4	19	0	23	0	18	27	6	1	5	31	8	0	0	1	0	45	45	45
3	Bhatwara kala	37	0	8	23	6	37	0	37	37	7	3	4	24	40	2	1	2	0	73	73	69
4	Bhatwara khurda	62	0	8	54	0	59	3	43	59	21	5	16	46	32	3	0	2	0	102	102	97
5	Bhishampur	317	38	178	90	11	199	118	269	365	71	36	35	307	227	27	2	22	0	424	628	623
6	Bikapur	65	0	35	30	0	61	4	25	78	0	0	0	47	56	0	0	4	0	101	101	92
7	Garhwa	46	0	6	40	0	46	0	37	61	22	6	16	33	41	1	1	1	0	97	97	90
8	Gogahara	20	0	18	2	0	20	0	0	37	0	0	0	5	31	1	0	0	0	37	37	33
9	Pathrawa	23	0	0	23	0	23	0	4	19	5	0	5	7	10	1	0	1	0	23	23	20
10	Pathrawa balua	16	0	3	13	0	16	0	11	21	5	2	3	12	15	0	0	0	0	32	32	29
11	Pathrawa bhalua bilaudi	23	0	9	14	0	15	8	25	32	18	4	14	22	17	0	0	0	0	57	57	57
12	Rampur Chamarhi	81	0	22	59	0	81	0	61	91	21	10	11	65	65	1	0	4	0	152	152	149
13	Sikandarpur	388	31	298	59	0	157	231	190	528	96	22	74	334	279	8	1	25	0	519	519	510
14	Vijay Purva	94	14	75	5	0	31	63	25	145	3	0	3	91	71	5	0	14	0	170	170	144
	Total	**1289**	**84**	**691**	**497**	**17**	**861**	**428**	**801**	**1612**	**290**	**95**	**195**	**1107**	**957**	**51**	**8**	**81**	**0**	**2000**	**2204**	**2124**